



# भारत का राजपत्र

## The Gazette of India

असाधारण

EXTRAORDINARY

भाग II—खण्ड 3—उप-खण्ड (ii)  
PART II—Section 3—Sub-section (ii)

प्राधिकार से प्रकाशित  
PUBLISHED BY AUTHORITY

सं. 1419]

नई दिल्ली, मंगलवार, सितम्बर 8, 2009/भाद्र 17, 1931

No. 1419]

NEW DELHI, TUESDAY, SEPTEMBER 8, 2009/BHADRA 17, 1931

विद्युत मंत्रालय

आदेश

नई दिल्ली, 31 अगस्त, 2009

का.आ. 2280(अ).—चूँकि मै. अडानी पावर लिमिटेड, अनुज्ञप्तिधारी, जिसका पंजीकृत कार्यालय शिखर में, 9वीं मंजिल, मोठाखाली सिक्स रोड के पास, नवरंगपुरा, अहमदाबाद-380009 में है और जो गुजरात, राजस्थान और हरियाणा में विद्युत के अंतर्राज्यीय पारेषण हेतु पारेषण लाइन (विद्युत अधिनियम, 2003 की धारा 9 के प्रावधानों के अनुसार यथा-परिभाषित) का निर्माण कर रहा है, ने विद्युत मंत्रालय, भारत सरकार के अनुमोदन के लिए आवेदन किया है;

और चूँकि विद्युत मंत्रालय, भारत सरकार ने 31-7-2009 को, पत्र सं. 11/37/2009-पीजी के द्वारा, मैसर्स अडानी पावर लि. को विद्युत अधिनियम, 2003 की धारा 68 के अंतर्गत निम्नांकित अंतर्राज्यीय पारेषण लाइनों, को अनुमोदन प्रदान किया था, ये लाइनें निम्नानुसार हैं —

- मूंदड़ा से मोहिन्दरगढ़ तक एचवीडीसी बाईपोल लाइन (लगभग 1000 कि.मी.)
- मोहिन्दरगढ़ में टर्मिनल स्टेशन
- मूंदड़ा में टर्मिनल स्टेशन
- भीलवाड़ा, जिला नारनौल, हरियाणा में इलेक्ट्रोड स्टेशन (मोहिन्दरगढ़ से लगभग 30 कि.मी.)
- मोहिन्दरगढ़ से भीलवाड़ा (नारनौल) विद्युत स्टेशन तक इलेक्ट्रोड लाइन
- भद्रेश्वर में इलेक्ट्रोड स्टेशन (मूंदड़ा से लगभग 30 कि.मी.)
- मूंदड़ा से भद्रेश्वर इलेक्ट्रोड स्टेशन तक इलेक्ट्रोड लाइन

— भद्राजा में रिपीटर स्टेशन, जिला जालौर, राजस्थान (मूंदड़ा से लगभग 460 कि.मी.)

विभिन्न गाँवों के कृषि भूमि, राष्ट्रीय और अन्य राजमार्गों, रेलवे लाइनों, स्थानीय प्राधिकार क्षेत्र आदि से गुजरने वाली लगभग 1000 कि.मी.;

और चूँकि आवेदक ने विद्युत अधिनियम, 2003 की धारा 164 के अंतर्गत सभी शक्तियाँ उसे सौंपे जाने का अनुरोध किया है, जो सरकार द्वारा स्थापित अथवा अनुरक्षित किए गए अथवा इस प्रकार स्थापित अथवा अनुरक्षित किए जाने वाले टेलीग्राफ के उद्देश्य हेतु, तार लाइनें और खंबे लगाने के संबंध में, भारतीय तार अधिनियम, 1885 के अंतर्गत तार प्राधिकरण के पास हैं।

अतः अब पूर्ण रूप से विचार करने के पश्चात् विद्युत मंत्रालय, भारत सरकार विद्युत अधिनियम, 2003 की धारा 164 के अंतर्गत विद्युत की अंतर्राज्यीय पारेषण लाइनों की स्थापना के लिए वो सभी शक्तियाँ, निम्नलिखित शर्तों एवं निबंधनों के अधीन आवेदक को प्रदान करता है जो सरकार द्वारा स्थापित किए गए या अनुरक्षित किए गए इस प्रकार स्थापित अथवा अनुरक्षित किए जाने वाले टेलीग्राफ के उद्देश्य हेतु, तार लाइनें और खंबे लगाने के संबंध में, भारतीय तार अधिनियम, 1885 के अंतर्गत तार प्राधिकरण के पास हैं :

- (i) अनुमोदन 25 वर्ष के लिए प्रदान किया जाता है;
- (ii) आवेदक को प्रस्तावित लाइनों की स्थापना से पूर्व, संबंधित प्राधिकरणों अर्थात् स्थानीय निकायों, रेलवे, राष्ट्रीय राजमार्ग, राज्य राजमार्गों आदि की सहमति प्राप्त करनी होगी;
- (iii) आवेदक को पारेषण, ओ एंड एम खुली पहुँच आदि के संबंध में उपर्युक्त आयोग के विनियमों/कोडों का अनुपालन करना होगा ;

- (iv) आवेदक को गुजरात में कच्छ, पाटन, बनासकांठा (पालनपुर) जिलों, राजस्थान में जालौर, पाली नागौर, सीकर और झुंझनू जिलों तथा हरियाणा में मोहिन्दरगढ़ (नारनौल) जिले को कवर करके 2500 मेगावाट ( $\pm 500$  केवी) एचवीडीसी मूंदड़ा-मोहिन्दरगढ़ पारेषण लाइन स्कीम निर्माण का उत्तरदायित्व सौंपा गया है। लाइन के ब्यौरे 2 मई, 2009 के भारत के राजपत्र में प्रकाशित किए गए हैं।
- (v) आवेदक संबंधित राज्यों के मुख्य वैद्युत निरीक्षक के अनुमोदन के पश्चात् लाइनों का प्रचालन करेगा;
- (vi) यह अनुमोदन विद्युत अधिनियम, 2003 के प्रावधानों तथा उसके अधीन बनाए गए नियमों की अपेक्षाओं का आवेदक द्वारा अनुपालन किए जाने के अध्यक्षीन है।

[फा. सं. 11/37/2009-पीजी]

लोकेश चन्द्र, निदेशक

## MINISTRY OF POWER

### ORDER

New Delhi, the 31st August, 2009

**S.O. 2280 (E).**—Whereas M/s. Adani Power Limited, the licensee, with its Registered Office at Shikhar, 9th Floor, near Mithakhali Six Road, Navrangpura, Ahmedabad-380009, who is building a dedicated transmission line (as defined under the provision of Section 9 of the Electricity Act, 2003); for Inter-State transmission of electricity in the States of Gujarat, Rajasthan and Haryana, has applied for approval of the Government of India, Ministry of Power.

And whereas on 31-7-2009, vide letter No. 11/37/2009-PG, the Government of India, Ministry of Power, had granted to M/s. Adani Power Limited, approval under Section 68 of the Electricity Act, 2003 for the following Inter-State Transmission Lines, namely :—

- HVDC bi-pole line from Mundra to Mohindergarh (about 1000 km)
- Terminal Station at Mohindergarh
- Terminal Station at Mundra
- Electrode Station at Bhilwara, District of Narnaul, Haryana (about 30 km from Mohindergarh)
- Electrode line from Mohindergarh Station to Bhilwara (Narnaul) Electrical Station
- Electrode Station at Bhadreshwar (about 30 km from Mundra)
- Electrode lines from Mundra Station to Bhadreshwar Electrode Station
- Repeater Station at Bhadrakra, District Jalore, Rajasthan (about 460 km from Mundra)

of approximately 1000 km passing through agriculture lands of various villages, crossing over the National and State Highways, Railway Lines, Local Authority Area etc.

And whereas the applicant has now requested to confer upon him all the powers under Section 164 of the Electricity Act, 2003 which telegraph authority possess under the Indian Telegraph Act, 1885 with respect to the placing of telegraph lines and posts for the purposes of a telegraph established or maintained, by the Government or to be so established or maintained.

Now, therefore, after careful consideration, Government of India, Ministry of Power, confers, under Section 164 of the Electricity Act, 2003, all the powers on the Applicant which telegraph authority possesses under the Indian Telegraph Act, 1885 with respect to the placing of telegraph lines and posts for the purposes of a telegraph established or maintained, by the Government or to be so established or maintained subject to following terms and conditions for installing the above mentioned inter-State transmission lines for inter-State transmission of electricity, namely :—

- (i) the approval is granted for 25 years;
- (ii) the Applicant shall have to seek the consent of the concerned authorities i.e. local bodies, Railways, National Highways, State Highways etc. before erection of proposed lines;
- (iii) the Applicant shall have to follow regulations/codes of the appropriate commission regarding transmission, O&M, open access etc.;
- (iv) the Applicant has been entrusted with the responsibility of constructing the Dedicated 2500 MW ( $\pm 500$  kV) HVDC Mundra-Mohindergarh Transmission line scheme covering Kutch, Patan, Banaskantha (Palanpur) Districts in Gujarat, Jalor, Pali, Nagaur, Sikar and Jhunjhunu Districts in Rajasthan and Mohindergarh (Narnaul) District in Haryana. The details of the line are published in the Gazette of India of May 2, 2009.
- (v) the Applicant shall operate the lines after approval of Chief Electrical Inspector of respective States;
- (vi) the approval is subject to compliance by the Applicant to the requirement of the provisions of The Electricity Act, 2003 and the rules made thereunder.

[F.No. 11/37/2009-PG]

LOKESH CHANDRA, Director